खुली पोल

शहडोल की सड़कों पर चलना हुआ दुश्वार, सीवर लाइन और निर्माणाधीन सड़कों ने बढ़ाई मुश्किलें, कीचड़, गड्ढों और जलभराव से आमजन परेशान

बारिश ने खोली शहर के विकास कार्यों की पोल

नवभारत, शहडोल। मानसून की पहली अच्छी बारिश ने शहडोल नगर पालिका क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यों की हकीकत उजागर कर दी है। मुख्य मार्गों से लेकर अंदरूनी गलियों तक अधिकांश सड़कें कीचड़, गड्ढों और जलभराव की चपेट में हैं। हालत यह है कि शहर में ऐसी कोई सड़क मुश्किल से बची होगी, जहां आम नागरिक बिना परेशानी के आवागमन कर सकें। दोपहिया वाहन चालक फिसलने के डर से धीमी गति से चलने को मजबूर हैं, जबकि पैदल राहगीरों के लिए सड़क पर निकलना किसी चुनौती से कम नहीं रह गया है।

शहर में सीवर लाइन बिछाने का कार्य लंबे समय से जारी है। लोगों का आरोप है कि ठेका कंपनी द्वारा सड़कें खोदने के बाद उन्हें समय पर व्यवस्थित तरीके से बहाल नहीं किया गया। बारिश शुरू होते ही खोदी गई सड़कों पर मिट्टी और मुरुम की परत कीचड़ में बदल गई, जिससे कई स्थानों पर सड़कें पूरी तरह दलदल जैसी दिखाई दे रही हैं। जगह-जगह बने गड्ढों में पानी भर जाने से दुर्घटनाओं की आशंका भी बढ़ गई है।सबसे अधिक परेशानी गायत्री मंदिर मार्ग पर देखने को मिल रही है, जहां सड़क निर्माण कार्य प्रगति पर है। निर्माण कार्य के चलते सड़क पहले से ही उबड़-खाबड़ थी, अब लगातार बारिश के कारण यह मार्ग कीचड़ से भर गया है। स्थानीय रहवासियों, दुकानदारों और श्रद्धालुओं को इस मार्ग से गुजरने में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। कई जगहों पर वाहन फंसने और लोगों के फिसलने की घटनाएं भी सामने आ रही हैं।

इसी तरह शहर की बहुप्रतीक्षित झूला पुल से शारदा मंदिर तक बनने वाली सड़क का निर्माण कार्य भी बारिश के कारण प्रभावित हो गया है। निर्माणाधीन सड़क पर मिट्टी और गिट्टी बिखरी होने से आवागमन कठिन हो गया है। इस मार्ग का उपयोग प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोग करते हैं, लेकिन वर्तमान स्थिति में वाहन चालकों और पैदल यात्रियों दोनों को जोखिम उठाकर सफर करना पड़ रहा है।शहर के कई अन्य वार्डों में भी सीवर लाइन के लिए खोदी गई सड़कों की मरम्मत अधूरी है। जगह-जगह गहरे गड्ढे, उखड़ी सड़कें और जलभराव से नागरिकों की परेशानियां लगातार बढ़ रही हैं। बरसाती पानी की समुचित निकासी नहीं होने से कई मोहल्लों में सड़कें तालाब का रूप ले चुकी हैं। इससे न केवल आवागमन बाधित हो रहा है, बल्कि मच्छरों के पनपने और संक्रामक बीमारियों का खतरा भी बढ़ गया है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि यदि बारिश से पहले सड़क निर्माण और मरम्मत कार्यों को गुणवत्ता के साथ पूरा कर लिया जाता तो आज लोगों को इतनी परेशानी नहीं उठानी पड़ती। उनका आरोप है कि कई स्थानों पर निर्माण कार्य धीमी गति से चल रहा है, जबकि कुछ जगहों पर कार्य अधूरा छोड़ दिया गया है। शहरवासियों ने नगर पालिका प्रशासन और संबंधित निर्माण एजेंसियों से मांग की है कि बारिश के दौरान भी आवागमन सुचारु बनाए रखने के लिए तत्काल अस्थायी मरम्मत कराई जाए, जल निकासी की समुचित व्यवस्था की जाए तथा सीवर लाइन और सड़क निर्माण कार्यों में तेजी लाकर आमजन को राहत प्रदान की जाए। लगातार हो रही बारिश के बीच यदि समय रहते प्रभावी कदम नहीं उठाए गए तो आने वाले दिनों में शहरवासियों की मुश्किलें और बढ़ सकती हैं।

मातृ मृत्यु दर में कमी लाने स्वास्थ्य विभाग गंभीर

- सीएमएचओ ने की तीन प्रकरणों की समीक्षा की
- उच्च जोखिम वाली गर्भावस्था की समय पर पहचान के दिए निर्देश

नवभारत,शहडोल। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय शहडोल में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राजेश मिश्रा की अध्यक्षता में मासिक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक का उद्देश्य जिले में शिशु एवं मातृ मृत्यु दर में कमी लाने के लिए किए जा रहे प्रयासों की समीक्षा करना तथा स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक प्रभावी बनाना था। बैठक में अप्रैल से जून 2026 के दौरान जिले में हुई तीन मातृ मृत्यु के प्रकरणों की विस्तृत समीक्षा की गई। इस दौरान प्रत्येक मामले के कारणों, स्वास्थ्य सेवाओं में सामने आई कमियों तथा आवश्यक सुधारात्मक उपायों पर विस्तार से चर्चा की गई।

सीएमएचओ डॉ. राजेश मिश्रा ने कहा कि मातृ मृत्यु की प्रत्येक घटना अत्यंत संवेदनशील है और इसे रोकने के लिए स्वास्थ्य तंत्र को अधिक सक्रिय, जवाबदेह एवं प्रभावी बनाने की आवश्यकता है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं स्वास्थ्य कर्मियों को निर्देश दिए कि समीक्षा के दौरान चिन्हित सभी कमियों को प्राथमिकता के आधार पर तत्काल दूर किया जाए तथा प्रत्येक गर्भवती महिला को समय पर गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जाएं।उन्होंने गर्भवती महिलाओं की समय पर पहचान, नियमित प्रसवपूर्व जांच (एएनसी), एनीमिया एवं अन्य जटिलताओं की शीघ्र पहचान, उच्च जोखिम वाली गर्भावस्था का प्रभावी प्रबंधन, समय पर रेफरल व्यवस्था तथा शत-प्रतिशत संस्थागत प्रसव सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया। साथ ही आशा कार्यकर्ताओं, एएनएम एवं अन्य स्वास्थ्य कर्मियों को समुदाय स्तर पर सतत निगरानी और जनजागरूकता गतिविधियां संचालित करने के निर्देश दिए, ताकि भविष्य में मातृ मृत्यु की घटनाओं में प्रभावी कमी लाई जा सके। बैठक में जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आर.के. शुक्ला, सिविल सर्जन डॉ. शिल्पी सराफ सहित जिला स्वास्थ्य समिति के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

एक नजर में

दिव्यांग बच्चों की शीघ्र पहचान के लिए विशेष शिविर, 14 बच्चों के बने दिव्यांगता प्रमाण पत्र

नवभारत,शहडोल । जिले में 0 से 18 वर्ष आयु वर्ग के दिव्यांग बच्चों की शीघ्र पहचान एवं त्वरित दिव्यांगता प्रमाण पत्र जारी करने के उद्देश्य से विशेष शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इन शिविरों में बच्चों का चिकित्सकीय परीक्षण एवं आकलन विभिन्न विषय विशेषज्ञों की उपस्थिति में किया जा रहा है, जिसके बाद पात्र बच्चों के दिव्यांगता प्रमाण पत्र तत्काल बनाए जा रहे हैं। इसी क्रम में जनपद पंचायत बुढ़ार में विशेष शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें 14 बच्चों का परीक्षण कर उनके दिव्यांगता प्रमाण पत्र जारी किए गए। अभियान के तहत आगामी 3 जुलाई को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जयसिंहनगर तथा 4 जुलाई को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ब्यौहारी में विशेष शिविर आयोजित किए जाएंगे। जिला प्रशासन ने पात्र बच्चों एवं उनके अभिभावकों से निर्धारित तिथि पर आवश्यक दस्तावेजों के साथ शिविर में उपस्थित होकर सुविधा का लाभ उठाने की अपील की है।

सुड़वार और बोचकी में बीबीएनएल की तकनीकी खराबी से पेयजल आपूर्ति ठप, ग्रामीण परेशान

नवभारत, गोहपारू । जनपद पंचायत गोहपारू अंतर्गत ग्राम सुड़वार और बोचकी में बीबीएनएल की ब्रॉडबैंड केबल एवं ओडीपी मशीन के कारण जल जीवन मिशन की पेयजल व्यवस्था पूरी तरह क्षतिग्रस्त कर दी गई है जिसके कारण पेयजल प्रभावित हो गई है। तकनीकी खराबी के चलते गांव में नलों के माध्यम से होने वाली पेयजल आपूर्ति बंद हो गई है, जिससे ग्रामीणों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि बीबीएनएल की केबल और भ्क्क् मशीन के कारण जलापूर्ति व्यवस्था बाधित है। इसके चलते लोगों को दूर-दराज से पानी लाना पड़ रहा है। कई बार संबंधित विभाग को सूचना देने के बावजूद अब तक समस्या का समाधान नहीं हो पाया है। बृजेश तिवारी (मो. 7000307835) एवं संबंधित विभाग से मांग की है कि बीबीएनएल की तकनीकी खराबी को तत्काल दूर कर जलापूर्ति बहाल की जाए, ताकि ग्रामीणों को पेयजल संकट से राहत मिल सके।

पुलिस अधीक्षक ने ली मासिक क्राइम मीटिंग लंबित मामलों के त्वरित निराकरण के दिए निर्देश

- चोरी, लूट और डकैती के मामलों में शीघ्र गिरफ्तारी व संपत्ति बरामदगी पर जोर
- संवेदनशील पुलिसिंग अपनाने के निर्देश

नवभारत, शहडोल। पुलिस अधीक्षक रामजी श्रीवास्तव ने पुलिस कंट्रोल रूम में मासिक क्राइम मीटिंग आयोजित कर जिले की कानून-व्यवस्था एवं अपराध नियंत्रण की समीक्षा की। बैठक में सभी राजपत्रित अधिकारी एवं थाना प्रभारी उपस्थित रहे। बैठक के दौरान पुलिस अधीक्षक ने लंबित अपराध, मर्ग प्रकरण, गिरफ्तारी वारंट, शिकायतों तथा सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों की समीक्षा करते हुए उनके त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि लंबित चोरी, लूट एवं डकैती जैसे गंभीर मामलों की विवेचना शीघ्र पूरी कर आरोपियों की गिरफ्तारी तथा चोरी गई संपत्ति की बरामदगी सुनिश्चित की जाए। एसपी श्रीवास्तव ने माइनर एक्ट के तहत प्रभावी कार्रवाई करने, प्रतिबंधात्मक कार्रवाई में तेजी लाने तथा गुमशुदा व्यक्तियों से संबंधित मामलों का शीघ्र निराकरण करने के निर्देश भी अधिकारियों को दिए। उन्होंने कहा कि पुलिस की कार्यप्रणाली ऐसी हो जिससे आमजन का पुलिस पर विश्वास और अधिक मजबूत हो। इसके लिए सभी अधिकारी संवेदनशीलता, पारदर्शिता और जवाबदेही के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें।

ग्राम पंचायत गजवाही के निर्माण कार्यों में भ्रष्टाचार के आरोप

- अर्धन चेक डैम और पुलिया निर्माण में अनियमितता का आरोप, जनपद पंचायत सीईओ से कार्रवाई की मांग

नवभारत,जयसिंहनगर। जनपद पंचायत जयसिंहनगर अंतर्गत ग्राम पंचायत गजवाही में विभिन्न निर्माण कार्यों में अनियमितता एवं भ्रष्टाचार के आरोप सामने आए हैं। ग्रामीणों ने अर्धन चेक डैम एवं पुलिया निर्माण कार्यों में वित्तीय गड़बड़ी का आरोप लगाते हुए निष्पक्ष जांच कराने और दोषियों पर कार्रवाई की मांग की है।ग्रामीणों का आरोप है कि ग्राम पंचायत के कीट गांव में वर्ष 2025-26 के दौरान स्वामीदीन बैगा के खेत के पास अर्धन चेक डैम का निर्माण कराया गया, लेकिन मौके पर निर्माण में सामग्री (मटेरियल) का उपयोग नगण्य या नहीं के बराबर किया गया। इसके बावजूद निर्माण कार्य के नाम पर फर्जी बिल-वाउचर लगाकर कई बार राशि का आहरण किए जाने का आरोप लगाया गया है।

शिकायतकर्ताओं का कहना है कि इस मामले में उपयंत्री, सहायक यंत्री एवं तकनीकी अमले ने भी कथित रूप से निर्माण कार्य का सत्यापन किए बिना भुगतान की प्रक्रिया पूरी कर दी, जिससे पूरे मामले की निष्पक्ष जांच आवश्यक हो गई है। इसी प्रकार ग्राम बरतुआ में हीराकुशवाहा के खेत के पास पुलिया निर्माण कार्य को लेकर भी सवाल उठाए गए हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि निर्माण स्थल पर न तो सूचना बोर्ड लगाया गया और न ही कार्य से संबंधित आवश्यक जानकारी सार्वजनिक की गई। साथ ही सड़क की खुदाई कर दो नई पुलियों का निर्माण कराया जा रहा है, जबकि उसी स्थान पर पहले से लगभग 100 मीटर के दायरे में चार पुलियां निर्मित हैं। ग्रामीणों का कहना है कि अब पांचवीं पुलिया का निर्माण कराया जा रहा है, जिसकी आवश्यकता पर भी प्रश्नचिह्न खड़े हो रहे हैं। ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया है कि 15वें वित्त आयोग एवं पंचम वित्त आयोग की राशि से कराए जा रहे कार्य ग्राम सभा की स्वीकृति के बिना सरपंच एवं सचिव द्वारा मनमाने ढंग से कराए जा रहे हैं। ग्रामीणों ने जनपद पंचायत जयसिंहनगर के मुख्य कार्यपालन अधिकारी (सीईओ) से मांग की है कि ग्राम पंचायत गजवाही में कराए गए सभी निर्माण कार्यों की निष्पक्ष एवं तकनीकी जांच कराई जाए। यदि जांच में अनियमितता अथवा भ्रष्टाचार की पुष्टि होती है तो संबंधित जिम्मेदार अधिकारियों एवं कर्मचारियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाए।

अधिवक्ता संघ चुनाव में लगातार दूसरी बार अध्यक्ष बने जयकांत मिश्र का सम्मान

- वरिष्ठ पत्रकार सनत शर्मा ने निवास पहुंचकर दी जीत की बधाई

नवभारत ,धनपुरी। अधिवक्ता संघ के चुनाव में लगातार दूसरी बार अध्यक्ष पद पर निर्वाचित होने वाले वरिष्ठ अधिवक्ता जयकांत मिश्र का उनके निवास पर सम्मान किया गया। वरिष्ठ पत्रकार सनत शर्मा ने पुष्पगुच्छ भेंट कर उन्हें जीत की बधाई दी तथा उनके सफल कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं प्रेषित कीं। इस अवसर पर दोनों के बीच अधिवक्ता संघ की कार्यप्रणाली, न्यायिक व्यवस्था तथा समाजहित से जुड़े विभिन्न विषयों पर भी सार्थक चर्चा हुई।

वरिष्ठ पत्रकार सनत शर्मा ने कहा कि लगातार दूसरी बार अध्यक्ष पद पर विजय प्राप्त करना इस बात का प्रमाण है कि अधिवक्ताओं ने श्री मिश्र के नेतृत्व, कार्यशैली और ईमानदार प्रयासों पर अपना अटूट विश्वास व्यक्त किया है। उन्होंने विश्वास जताया कि जयकांत मिश्र अपने नए कार्यकाल में भी अधिवक्ताओं के हितों की रक्षा करते हुए संघ को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने का कार्य करेंगे।

वरिष्ठ पत्रकार सनत शर्मा ने कहा, 'लगातार दूसरी बार अध्यक्ष चुना जाना किसी भी व्यक्ति के प्रति साथियों के विश्वास और सम्मान का सबसे बड़ा प्रमाण होता है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि जयकांत मिश्र अधिवक्ताओं की अपेक्षाओं पर पहले की तरह खरे उतरेंगे और न्यायिक व्यवस्था को मजबूत बनाने के साथ-साथ अधिवक्ता हितों के लिए निरंतर कार्य करेंगे।' इस अवसर पर जयकांत मिश्र ने सम्मान एवं शुभकामनाओं के लिए वरिष्ठ पत्रकार सनत शर्मा का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह जीत उनकी व्यक्तिगत नहीं, बल्कि अधिवक्ता संघ के सभी सदस्यों के विश्वास और सहयोग की जीत है। जयकांत मिश्र ने कहा, 'मैं अधिवक्ता संघ के सभी साथियों का हृदय से आभारी हूं, जिन्होंने मुझ पर दोबारा विश्वास जताया। मेरा प्रयास रहेगा कि संघ के प्रत्येक सदस्य की समस्याओं का समाधान प्राथमिकता से किया जाए तथा अधिवक्ताओं के सम्मान, अधिकारों और सुविधाओं के लिए पूरी निष्ठा एवं पारदर्शिता के साथ कार्य करता रहूं।' इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने भी जयकांत मिश्र को शुभकामनाएं देते हुए उनके सफल एवं जनहितकारी कार्यकाल की कामना की।

15 दिनों से गायब लाइनमैन, चरमराई बिजली व्यवस्था

- चुहिरी व आसपास के ग्रामीणों में आक्रोश, जेई से भी नहीं हो रहा संपर्क

पुष्पेंद्र मिश्रा

नवभारत,चुहिरी ।ग्राम चुहिरी सहित आसपास के कई गांवों में इन दिनों विद्युत व्यवस्था पूरी तरह अव्यवस्थित बताई जा रही है। लगातार बिजली गुल रहने, फ्ल्ट का समय पर सुधार नहीं होने और जिम्मेदार कर्मचारियों की अनुपस्थिति से ग्रामीणों में भारी नाराजगी है। ग्रामीणों का आरोप है कि चुहिरी सेक्टर के लाइनमैन पिछले लगभग 15 दिनों से क्षेत्र में दिखाई नहीं दिए हैं, जिसके कारण छोटी-छोटी तकनीकी खराबियां भी लंबे समय तक बनी रहती हैं और उपभोक्ताओं को अनावश्यक परेशानी उठानी पड़ रही है। ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्र में बिजली आपूर्ति पहले से ही अनियमित है। कई बार घंटों तक बिजली बंद रहती है, लेकिन शिकायत करने के बावजूद मौके पर कोई कर्मचारी नहीं पहुंचता। बिजली लाइन में फ्ल्ट होने पर उसे सुधारने में कई घंटे ही नहीं, बल्कि कई बार पूरा दिन लग जाता है। इससे लोगों का जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि संबंधित जूनियर इंजीनियर (जेई) से संपर्क करने का प्रयास किया जाता है, लेकिन कई बार फोन रिसीव नहीं होता या संतोषजनक जवाब नहीं मिलता। इससे लोगों में विभाग की कार्यप्रणाली को लेकर असंतोष बढ़ता जा रहा है। उनका कहना है कि यदि समय पर अधिकारियों और कर्मचारियों से संपर्क हो जाए तो अधिकांश समस्याओं का शीघ्र समाधान संभव है।बिजली व्यवस्था चरमराने का सबसे अधिक असर किसानों, विद्यार्थियों, छोटे व्यापारियों और घरेलू उपभोक्ताओं पर पड़ रहा है। किसान सिंचाई कार्य समय पर नहीं कर पा रहे हैं, वहीं विद्यार्थियों की पढ़ाई बाधित हो रही है। भीषण गर्मी के बीच बार-बार बिजली गुल होने से बुजुर्गों, महिलाओं और छोटे बच्चों को भी काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि बिजली कटौती और खराबियों के कारण पेयजल व्यवस्था भी प्रभावित होने लगी है। क्षेत्रवासियों ने विद्युत विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों से मांग की है कि चुहिरी सेक्टर की विद्युत व्यवस्था की तत्काल समीक्षा कराई जाए, क्षेत्र में लाइनमैन की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित की जाए तथा शिकायतों के त्वरित निराकरण के लिए प्रभावी व्यवस्था लागू की जाए। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र सुधार नहीं हुआ तो वे सामूहिक रूप से विभाग के खिलाफ प्रदर्शन करने को मजबूर होंगे।

अव्यवस्था

नालियों का कचरा सड़कों पर, वार्डों में जगह-जगह गंदगी के ढेर, संक्रमण और जलभराव की बढ़ी आशंका, नागरिक बोले— जल्द हो प्रभावी सफाई अभियान

पहली बारिश में ही खुली धनपुरी की सफाई व्यवस्था की पोल

नवभारत, धनपुरी। बरसात का मौसम शुरू होते ही धनपुरी नगर की सफाई व्यवस्था पर एक बार फिर सवाल खड़े होने लगे हैं। मानसून की पहली बारिश ने ही नगर परिषद की तैयारियों की वास्तविक स्थिति सामने ला दी है। जैसे ही बारिश हुई, कई स्थानों पर नालियों में जमा कचरा और गाद पानी के साथ बहकर सड़कों पर फैल गया। इससे सड़कें गंदगी से भर गईं और राहगीरों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। शहर के विभिन्न वार्डों का निरीक्षण करने पर जगह-जगह कचरे के ढेर दिखाई दे रहे हैं, जिससे साफ है कि नियमित सफाई व्यवस्था अपेक्षित स्तर पर नहीं हो पा रही है।

शहर की कई कॉलोनियों और मुख्य मार्गों के किनारे नालियों में लंबे समय से जमा गाद और प्लास्टिक कचरा बारिश के दौरान बाहर निकलकर सड़क पर फैल गया। कई स्थानों पर जल निकासी बाधित होने से पानी भर गया, जिससे लोगों को आवागमन में दिक्कतों का सामना करना पड़ा। दोपहिया वाहन चालकों को फिसलन का खतरा बना रहा, वहीं पैदल चलने वाले लोगों को गंदे पानी से होकर गुजरना पड़ा। नगर के विभिन्न वार्डों में भी स्थिति संतोषजनक नहीं दिखाई दे रही है। कई स्थानों पर कचरा संग्रहण समय पर नहीं होने के कारण सड़क किनारे और खाली स्थानों पर कचरे के ढेर लगे हुए हैं। बारिश का पानी इन ढेरों से होकर बहने से दुर्गंध फैल रही है, जिससे आसपास रहने वाले लोगों को असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि यदि नियमित रूप से कचरा उठाने और नालियों की सफाई का कार्य किया जाता, तो ऐसी स्थिति उत्पन्न नहीं होती। बरसात के मौसम में गंदगी और जलभराव केवल असुविधा का कारण नहीं बनते, बल्कि यह स्वास्थ्य के लिए भी गंभीर चुनौती बन सकते हैं। नालियों में रुका हुआ पानी मच्छरों के पनपने के लिए अनुकूल वातावरण तैयार करता है, जिससे डेंगू, मलेरिया और अन्य संक्रामक बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। इसके अलावा सड़कों पर फैली गंदगी और कचरे से वातावरण प्रदूषित होता है तथा दुर्गंध के कारण लोगों का घरों के बाहर निकलना भी मुश्किल हो जाता है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि हर वर्ष बरसात शुरू होने से पहले नालियों की सफाई और विशेष सफाई अभियान चलाने के दावे किए जाते हैं, लेकिन पहली ही बारिश में व्यवस्था की वास्तविक तस्वीर सामने आ जाती है।

लोगों का मानना है कि यदि समय रहते नालियों की सफाई, कचरा उठाने की व्यवस्था और जल निकासी तंत्र को दुरुस्त किया जाए, तो बरसात के दौरान होने वाली अधिकांश समस्याओं से बचा जा सकता है। शहर के सामाजिक संगठनों और जागरूक नागरिकों का कहना है कि सफाई व्यवस्था केवल नगर परिषद की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि आम नागरिकों को भी सार्वजनिक स्थानों पर कचरा फेंकने से बचना चाहिए। हालांकि उनका यह भी कहना है कि नगर प्रशासन को नियमित निगरानी, समयबद्ध कचरा संग्रहण और नालियों की सफाई सुनिश्चित करनी होगी, तभी शहर को स्वच्छ और सुरक्षित रखा जा सकेगा। नागरिकों ने नगर परिषद से मांग की है कि बरसात के मौसम को देखते हुए तत्काल विशेष सफाई अभियान चलाया जाए। सभी प्रमुख नालियों की सफाई कर जल निकासी व्यवस्था को सुचारु बनाया जाए, वार्डों से प्रतिदिन कचरा उठाने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए तथा जलभराव वाले क्षेत्रों की पहचान कर त्वरित समाधान किया जाए। साथ ही मच्छरों की रोकथाम के लिए नियमित फॉगिंग और कीटनाशक दवाओं का छिड़काव भी कराया जाए। बरसात का मौसम अभी प्रारंभ ही हुआ है। यदि समय रहते सफाई व्यवस्था में सुधार नहीं किया गया तो आने वाले दिनों में जलभराव, गंदगी और संक्रामक बीमारियों की समस्या और गंभीर रूप ले सकती है। ऐसे में आवश्यक है कि नगर प्रशासन तत्काल प्रभावी कदम उठाए, ताकि धनपुरी के नागरिकों को स्वच्छ, सुरक्षित और बेहतर वातावरण उपलब्ध कराया जा सके।

केंद्रीय चिकित्सालय में सेवानिवृत्ति सम्मान समारोह आयोजित

नवभारत, धनपुरी। बुढार केंद्रीय चिकित्सालय में आज एक गरिमामय एवं भावनात्मक सेवानिवृत्ति सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता चिकित्सालय के मुखिया डॉ. कल्याण सरकार ने की। इस अवसर पर चिकित्सालय के वरिष्ठ कर्मचारी श्री राजवीर सिंह एवं श्री रज्जू भैया जी को उनकी दीर्घकालीन एवं समर्पित सेवाओं के लिए सम्मानित करते हुए भावभीनी विदाई दी गई।

कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों एवं सेवानिवृत्त कर्मचारियों के स्वागत के साथ हुआ। जिससे पूरे कार्यक्रम का वातावरण आत्मीयता और सम्मान से परिपूर्ण बना रहा। समारोह में चिकित्सालय के समस्त अधिकारी, कर्मचारी एवं स्टाफ सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित रहे और सभी ने दोनों सेवानिवृत्त कर्मचारियों के प्रति अपनी शुभकामनाएं एवं सम्मान व्यक्त किया। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में डॉ. कल्याण सरकार ने कहा कि किसी भी संस्थान की प्रगति उसके कर्मचारियों की निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण पर आधारित होती है। उन्होंने श्री राजवीर सिंह एवं श्री रज्जू भैया जी की वर्षों की उत्कृष्ट सेवाओं की सराहना करते हुए कहा कि उनके कार्यों और अनुभवों से संस्थान को सदैव प्रेरणा मिलती रहेगी। उन्होंने दोनों कर्मचारियों को स्वस्थ, सुखमय एवं सम्मानपूर्ण जीवन की शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। समारोह के दौरान दोनों सेवानिवृत्त कर्मचारियों का पुष्पगुच्छ, स्मृति-चिह्न एवं शॉल भेंट कर सम्मान किया गया। सहकर्मियों ने उनके साथ बिताए गए कार्यकाल की यादों को साझा करते हुए उनके सरल स्वभाव, सहयोगी भावना और कर्तव्यनिष्ठा की प्रशंसा की। इस अवसर पर उपस्थित कर्मचारियों ने भी उन्हें भावभीनी विदाई देते हुए जीवन के नए अध्याय के लिए मंगलकामनाएं व्यक्त कीं। पूरे कार्यक्रम में आत्मीयता, सम्मान और भावनात्मक जुड़ाव का वातावरण देखने को मिला। अंत में सभी ने दोनों सेवानिवृत्त कर्मचारियों के उत्तम स्वास्थ्य, सुखद एवं सफल जीवन की कामना करते हुए समारोह का समापन किया। कार्यक्रम में चिकित्सालय के समस्त स्टाफ की सक्रिय सहभागिता रही, जिससे यह आयोजन सफल एवं यादगार बन गया।